

125

gyantisa



ॐ नमः सर्वस्वय ॥ नानादेवि उवाच ॥ नानादेव नलाक
श्वनसकः डडाखं ॥ मन्त्रकृत्या तादि नयायनः नानाउवाच
कलदाजः हिडमहिडः सानियाय निमिनिनः डलयालस
कंडडाः कडाज विआयमाल युगनर्ययमाल चकंडडा ॥
लाकश्वनउवाच ॥ सुनह नाना ॥ ह नानादेवि डडा यिथिथी
स नानाउवाच तादयिजः धुंवे लसथथसानि ॥ डवलसर्गसग
ह नडस वनासिस कोनस यासंथरुलः हाव शाकदयुज ॥

धु ॥ डसदहाज जयाः डयानायकद्वयाकदियिजः श्वनाता
महिड ॥ धुयासा ॥ नि ॥ दानविद्या ॥ डमविविद्या ॥ उत्रक
जया काययाकासं डुरुलसनयानिरः डसमनारुयिव ॥ धुय
मानि ॥ हामयाय दवयजायाया पापयारक ॥ रुवनहतयाज
यनिविद्या ॥ ननि ॥ वदानविद्या ॥ वाकन विदुतायायः रुजन
याचका ॥ लसवसकिलदायुहा नाधयिज गनांथरुलः काहि
हाजयाः नायकद्वयाकदियिजः धननासकयिज ॥ धुयासा ॥

जलजङ्गुयाय, सिजलवातास, तिथ्या लखन्याडाः जलपुजाः पु
त्राकिजाकि, इइ, विहिडा ता ज इय, कश, इइ, राहुतिवियः ति
लपाठः चतुपाठः चतुपाठः दानवियः किलदा अथास, काहि
हा अथास, यं के गवन हाय, यमिविय, काहि हा अथास, वा ह्या हा
अ, वमिसतयः ब्राह्मन हा ज नयाव क ॥ धुन न सानि ॥ इ समि
इ ह्यं क दयि अ, क मि दायि व, नाना ज नुद्ध स अयः डा ना ना
महि डः सामि म ल, नामि कय, मि न यय अ ॥ धुया सानि ॥

जिङ्गुन द्रायाय माल, नर ग ह दानविय, हा मयायः इतु पा
लवलिवियः क मि दा अ था स, वा ह्या डा अ, वमिसतयः वनि
१० डा हा म नूषा था डा डा, दानविय, ब्राह्मन हा ज नयाव क
धुन न सानि ॥ ॥ इ स ह ति त्वा यः म द्वा स न, रवा हि डा य
धुया सानि ॥ कल स पुजा याय, न अ ग ह दानविय ॥ ब्राह्म
न हा ज नयाव क ॥ धुन न सानि ॥ इ स वि द हा व व या, सामि
म ल, न सा ध न सानि, मि अ त्वा य मा मि अः इ स नू हा याय ॥

धुयासानि ॥ सुविद्याडाडा, हामयाय, पंके ल कृ पाथयायः ति
 लाह, मलर, विधी लश्र्य कलि, वाक, लयल, हामसिनि
 वसि, सासि, विहि, फययथइ नव, ॐ यूका, पुनका, मसमि
 दय ॥ ॥ वत्रिसन्व, कता रागौ द्याप, जिग्रि, रनाइयायू
 गुनि, ललिक, दस्तन, पुन ह न वत्रिस नयः विइ हाडाडाया
 वाडायास, वाहाडाडा, दक्षि नायुवियः वास्तन लोहनयार
 क ॥ **धुननसानि** ॥ विदू मालखडायाः लमनद वाकसत्रपु

३

डाडादानविय ॥ **धुननसानि** ॥ रिब वानयनदयाडा वाड द्या
 डायाः वानदूकया, रुल, महायागिकर, धनहानिकर, अ
धुयासानि ॥ वृत्तनस्य २ जाकि जापूयाडा, वताशजनसः ॐ रिब
 वास्तत्रययाडा, निवतय ३ २ नाय ॥ सानि वलिविय, लमलद
 दावाकुरयडाडादानविय ॥ **धुननसानि** ॥ जासि, धतर पासेता
 मा, लाहावा, लमलदइ दचल आकया ॥ इसइ इयायमान ॥
धुयासानि ॥ ॐ सस्यः धनहानि, सादानवियमालः वास्तनता

अन्याचक ॥ धुन न सानि ॥ अनक यव न दावन सुठ धुन कन
सुठ धुन सुठ नो क इयया लेन व लया सुठि ड उ उया ॥ नाजाः
याक दि यि द्या ॥ पुजा सियी उ डा दा नो म हि ड ॥ धुया सानि ॥
हामयाय साहायया पयाचकः दाने छि १००० श्रद्ध नि विरयः त
मिदान विरयः उदान विरय थमादिप न द व पुजा याय विल वि
या ॥ धुन न सानि ॥ सुसंयक ल उ या उखा सं य सं ले रु ल क सं य
रुलः नाना अ नु सि डा उ श नि डाः धुया रु ल सा मि म लु रु य

अः पि दान डा रु य उ ॥ धुया सानि ॥ निर पा रु स रु थु डा उ ल्या व
ना वा स धे ल न या डाः दान विरया ॥ वा दून ले उ न या चक ॥ धुन न
सानि ॥ अका स ग ल न हा यि रु ॥ धुया सानि ॥ न व रु रु दान विरय
वी विरय ॥ धुन न सानि ॥ उल ग सि रु उ अ रु लः नाय क सं दा रु
न डा म ल ॥ धुया सानि ॥ उदान विरय वा दून ले उ न या चक ॥
धुन न सानि ॥ ग्र रि छि न नाना ल ल रु उ अ स ग्रा दि न ना नि डा
धुया रु ल सा मि म लु रु य उः मि म लु रु य उ डा दा न न डा रु य

ध्यासनि॥ कलसपूजायाय गलशायजायायः३ दानविय
ब्रह्मनलो जनयाचक॥ धननसाति॥ गनाशनसन लमिस धन
धननशददउाय उः र नवाहा नसः शिवद लम नस यव नस
गनानंद उउया कलः सवृ नाडा र्म म् लू रूय उ॥ धनानः
॥ ध्यासनि॥ वसिविय हामयायः सादानविय लमिद न
वियः रदानविय वाथयायः ब्राह्मनलो जनयाचक॥ धनन
साति॥ मद्मानं धडागिलया क वा म स्व निडाः द्यासि सा

नास्य कया न मरवानिडाः ध्यास कल वियुह तायममिडा म्
लू रूय उ॥ ब्रह्मनडा॥ ध्यासनि॥ वनविय सिजल क ना १०
लानक ना कू न थडा उ॥ रथ डा उ दानविय ब्राह्मनलो जनया
चक॥ धननसाति॥ मन्त्रक्या शंनु मी वा रूय उ॥ श ना ल्यं र
ना ल्यं नना रू व रूय उ॥ नना लम रिड॥ ध्यासनि॥ हामयाय
रदानविय कलसपूजायायः ब्राह्मनलो जनयाचक॥ धननसा
नि॥ मन्त्रक्या म् मि न स रू मा या न दा रू उ॥ रूय उ॥ द्याथयम

संथरुल, शत्रिनसंथरुल ॥ **धुयासानि ॥** **रुल ॥** शत्रिगुरुयुध
नरानिशयुः वत्रिवियपरे गवनदायनान्नाननययज
याय, धलयासत्रधुडाज, दानविययलुदानयाय, गुडन
राजनयावके ॥ **धुननसानि ॥** ॥ यंडुमासंथरुलः सूर्यय
कथरुलः सालगमडाज, वाडरुनका, धुयारुल, महजय
ज, दहियरुयुज, नाजातं माय रुज, दाष्टिनकाकुरुयुज
नवस्यनंशयुजः **धुयासानि ॥** दानगुंमुयाज, जिमशयुन

ल्यनकं, कामलनथडाज, धलनयाज, न, गुरयायज, दा
नविय, पाथयाय, महावत्रिविय, गुडन, राजनयावके
॥ **धुननसानि ॥** दसविहिदाज, वानिज, धुयारुल, थमना
गिशयुज, दाष्टिनाकुरुयु ॥ **धुयासानि ॥** विदहाज, अथसयाय
होमैरुयुथयनयाडाज, कामयाय, सितडाज, धुयारुल, ज
जमानमस्य, दसलानका, कामयाय, वत्रिविय, दानयाय, का
हयात्रस्ये लयासयं, कलि, साद्वल, रंडुविंम्य, दानविय

अथ प्रच्यां गतं वस्तु मंद नने तद्विरोधं पदि मे मध्य नेत्रे स्थाप्य बो दी च्यां सुते
चने अथ के लभते नष्टं मंद के वदिन त्रयं मध्य के ववर्त. अथ
न प्राप्ते तिस्रो चने अथ ये चो र हत इ व्यं लभे द्याना तु मंद के. म
ध्य के २ रा मध्यै व न किंच न तु ला वने अथ वा द्यै का रा म्को दिव्य
लोचनं गरा इन्द्रो ही नी पुर्व सप्त वा म न कत म न उवा हे चो र

अथ मं मध्य

ASHA ARCHIVES

2.629 1

ब्राह्मन शत्रुनयावक ॥ धृगन सानि ॥ दज पृजायालः
इम सहास र्हे र्वा नदिनं हि मडास वि दूकयाइ
ल अजमान म लु कयः डानान द्वायायमालः ॥ मनि
॥ हनंदज पृजायाय सादान विय लमि दान विय ३ दान
विय गन चक्र पृजायाय ॥ धृगन सानि ॥ ॥ विमि डा ठ
ना धया ज ड स वा द या हल म लु कय ड दाना धया सा
नि ॥ ॥ निरय डा यल २ अ गन क सि जल वा ता द य का ठ हल

मल था डा डा काया लन यया ज दान विय मालः या थया वक
ब्राह्मन शत्रुनयावक ॥ धृगन सानि ॥ ॥ कोख न क यान सहा
कया ल्वा कया हल नु काल म लुः ॥ धृया सानि ॥ होम याय
गि य सान याय गि थया लख त या ठ कल म य पृजायाय स्मन
वनि विय नाग पृजा ड ड वनि विया त २ नु वलि पात २ रु
ठ वलि पात २ क सया ठ स धल य र्द्ध त या ज ३ थ डा डा ल
ड मिं मूत या डा दान विय माल ब्राह्मन शत्रुनयावक ॥ धृग

नमो नमो ॥ यलकास, यलयाक वास निडा, यलमून मद्र खनि
उ, यया रुल, खद द्म म लुशय उ, अधा लक संक्राय दय
उ, लना लमहिडा ॥ यया नमो ॥ हामयाय दोल छि न्ना द्मिः
विय द्वा द्मून लो जनया रक ॥ यून नमो ॥ ॥ महावन
धलः खद द्म मय न्ना या डा नया, हे नव न डा उ, यया रुल, ना
यक द्म म लुशय उ, विना नामहिडाः ह नं खद द्म सानि डा ल्मि
म लुशय उ, ॥ यया नमो ॥ याथया रक, द्म मय पूजा याय, ख

॥ द्म दानविय, नास, उ, गहनया डा, दानविय ॥ यून न
मो ॥ ॥ द लमल संय द्म ल, को खन ल ना डा या, रुल, यल व
क या रुयः द्म या द्म वं डा, श्व ना डा सा, विग ह मय उ, आल्यः
को नाम स ना न सा, मि नय य डा, द्मि न स, ना न सा, द्म पू न मय
रु य डा, न म ल को न स ना न सा, हि, खा ड्म धा न द्म य डा, य म्म
म स, आ स, श्व ना डा सा, धन ना स रु य डाः वियि या को न स ना
न सा, पू र्म लुशय उ, उ र्म, ना न सा, ना न हय, धन ना डा

इयुताः नृमानसनायसाः नागनकयुताः शुयादधुसम
लसाः नृकालमृयुशयुताः ॥ ध्यासानि ॥ महावनिविय
कलसयुतायायः मित्रनखातासुधलथमृताताः उहाननृ
थंयदाताकावातनयुतातादानवियः यं नृगवनहायात
नृकाधययायधुवनिमृगनताकधनरातायाताताता
स्वयास्यद्रुयातामिष्टायकंसातातातास्यं नृगवनहा
यकलसयुतायनहायः नृतातायुताकास्वस्यस्यय

दक्षिनाः मित्रनखातासुधलदानवियः तांनृनृताययवी
कृः लोतानयातकः वलुदानविय ॥ धननसा नि ॥ वृसय
सातातायुतायिदानमवनावयुताः धुयारुलः कायस्य
वयातादिमकदियुतामृयुशयुताः साताताधनसदियिज
ध्यासानि ॥ यं नृगवनहायायः कासयागुसगनधरंद्रवी
नृनृयातादानवियतांनृनृताययवी ॥ धननसा नि ॥
हयंलयाविवातुसतायुताधुयारुलः कायस्यवमस्यः

